North Asian International Research Journal of Multidisciplinary

IRJIF IMPACT FACTOR:6.019

ISSN: 2454-2326 Vol. 6, Issue-8 August-2020

Index Copernicus Value: 58.12 DOI NUMBER: 10.5948/2454-2326.2020.00008.0 Citation Index

A Peer Reviewed Refereed Journal

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का बुद्धि के सन्दर्भ में अध्ययन

योगिता रानी

पी.एच.डी.शोधार्थी, शिक्षाशास्त्र

दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा,

धारवाड,

सारांश – शिक्षा जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रकिया है जिसके द्वारा व्यक्ति के ज्ञान, अनुभव आदि में वृद्धि होती है उसे उपलब्धि के नाम से जाना जाता है। विद्यार्थियों द्वारा एक निश्चित सत्र या समय में प्राप्त किये गये ज्ञान, कौशल, अनुभव या व्यवहार को शैक्षिक उपलब्धि कहा जाता है जो अनेक कारकों से प्रभावित होती है। इन कारकों में बुद्धि भी एक कारक है। जिन विद्यार्थियों का बुद्धि स्तर उच्च होता है उन व्यक्तियों की शैक्षिक उपलब्धि भी अधिक होती है तथा जिन व्यक्तियों का बुद्धि स्तर निम्न होता है उन व्यक्तियों की शैक्षिक उपलब्धि भी कम होती है। अतः विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में वृद्धि हेतु विद्यार्थियों के बुद्धि स्तर के विकास पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

शोध कुंजी – बुद्धि स्तर, शैक्षिक उपलब्धि ।

परिचय – शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ, पाठक्रम के विभिन्न विषयों में विद्यार्थी के ज्ञान, समझ, एवं कौशल से है जिसका उद्देश्य होता है कि अमुक विषय में विद्यार्थी ने कितना और क्या क्या

सीखा है। विद्यार्थी की शैक्षिक उपलब्धि विभिन्न कारकों से प्रभावित होती है इनमें बुद्धि भी कारक है जिनके के बारे में ध्यान देने की आवश्यकता है।

औचित्य – शोधार्थी द्वारा माध्यमिक स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर उनके बुद्धि के प्रभाव का अध्ययन किया है। शोधर्थी के अय शोध अध्ययन के आधार पर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर विद्यार्थियों की बुद्धि के प्रभाव की जानकारी मिल सकेगी जिसके आधार पर विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढाने के लिए उचित प्रयास किये जा सकते हैं।

शोध समस्या–

''माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के समायोजन, प्रेरणा एवं शैक्षिक उपलब्धि का बुद्धि, लिंग एवं आवास के सन्दर्भ में अध्ययन''

उद्देश्य – माध्यमिक स्तर पर, उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों में शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना – माध्यमिक स्तर पर, उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध का सीमांकन – शोध अध्ययन माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत ४०० विद्यार्थियों को लिया गया है। शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के संचालित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों तक सीमित है। शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि हेतु विद्यार्थियों द्वारा अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों बुद्धि के मापन के लिए जलोटा के सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण को प्रयोग किया गया है। शोध अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण सांख्यिकीय तकनीकी को प्रयोग में लाया गया है।

शोध विधि – शोधार्थी ने शोध अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया है। सर्वेक्षण विधि वैज्ञानिक अनवेषण की विधि है जिसके अन्तर्गत बड़े या छोटे समग्रो से चुने प्रतिदर्शों के

आधार पर इस प्रयोजन से अध्ययन किया जाता है जिससे कि चरों के घटित होने की आवृत्ति, उनके वितरण व पारस्परिक सम्बन्धों का निर्धारण किया जा सके।

जनसंख्या – शोधार्थी ने शोध अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के बुलल्दशहर जिले को शोध जनसंख्या के रूप में बुलन्दशहर जिले के माध्यमिक स्तर की कक्षा दस के हिन्दी माध्यम द्वारा अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गया है।

न्यादर्श – शोधार्थी द्वारा शोध अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के बुलन्दशहर जिले के माध्यमिक स्तर की कक्षा दस के 400 विद्यार्थियों को शोध न्यादर्श के लिए लिया है।

प्रतिचयन प्रविधि – शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा यादृच्दिक प्रतिचयन प्रविधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श का प्रतिचयन – शोधार्थी द्वारा बुलन्दशहर जिले का निश्चय किये जाने के बाद बुलन्दशहर के उन सभी माध्यमिक विद्यालयों की सूची जिला शिक्षा अधिकारी बुलन्दशहर, कार्यालय से प्राप्त की जो उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा परिषद, इलाहबाद से मान्यता प्राप्त हैं तथा जिनमें माध्यमिक कक्षायें संचालित हैं। जिसके बाद शोधार्थी ने इस सूची के विद्यालयों में से यादृच्छिक प्रतिचयन प्रविधि द्वारा कुल 16 विद्यालयों को चयनित किया और प्रत्येक विद्यालय से 25-25 विद्यार्थियों को चयनित करने की योजना तैयार की। इसके बाद शोधार्थी ने सभी विद्यालयों के प्राचार्य एवं कक्षा 10 के कक्षा अध्यापक से अपने शोध अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार विद्यालय की कक्षा 10 में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की सूची प्राप्त की तथा विद्यार्थियों की सूची में से अपने उद्देश्य के अनुरूप प्रत्येक विद्यालय में से 25 विद्यार्थियों को आंकड़े प्राप्त करने के लिए चयन किया तथा उन पर शोध उपकरण का प्रयोग करके आंकड़े प्राप्त किये।

शोध उपकरण – शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि हेतु विद्यार्थियों द्वारा अर्द्धवार्षिक परीक्षा में प्राप्त अंकों बुद्धि के मापन के लिए जलोटा के सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण को प्रयोग किया गया है।

संख्यिकीय प्रविधि – शोध अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी परीक्षण सांख्यिकीय तकनीकी को प्रयोग में लाया गया है।

शोध उद्देश्य हेतु विश्लेषण – शोध उद्देश्य ‘‘माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना’’ के लिए शोधार्थी ने शोध परिकल्पना ‘‘माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही है।’’ बनायी। शोध अध्ययन की इस परिकल्पना के सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर निम्नलिखित परिणाम प्राप्त हुए–

माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में तुलना के लिए सारणी

क्र०सं०	स्तर	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	स्ततात्रंश	क्रांतिक अनुपात
1	उच्च बुद्धि स्तर	99	69.50	13.12	198	7.70*
2	निम्न बुद्धि स्तर	101	54.10	15.12		

*0.01 सार्थकता के स्तर पर सार्थक

सारणी के अनुसार क्रांतिक अनुपात का मान 7.70 प्राप्त हुआ है जो 0.01 सार्थकता के स्तर पर सार्थक है अर्थात शोध अध्ययन की शून्य परिकल्पना ‘‘माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही है।’’ अस्वीकृत हो जाती है। साथ ही सारणी से यह भी स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के

उच्च बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के फलांकों का मध्यमान 69.50 एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के फलांकों के मध्यमान 54.10 है अर्थात उच्च बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के फलांकों का मध्यमान, निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के फलांकों के मध्यमान से अधिक है। विश्लेषण से निष्कर्ष निकलता है कि माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि, निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है।

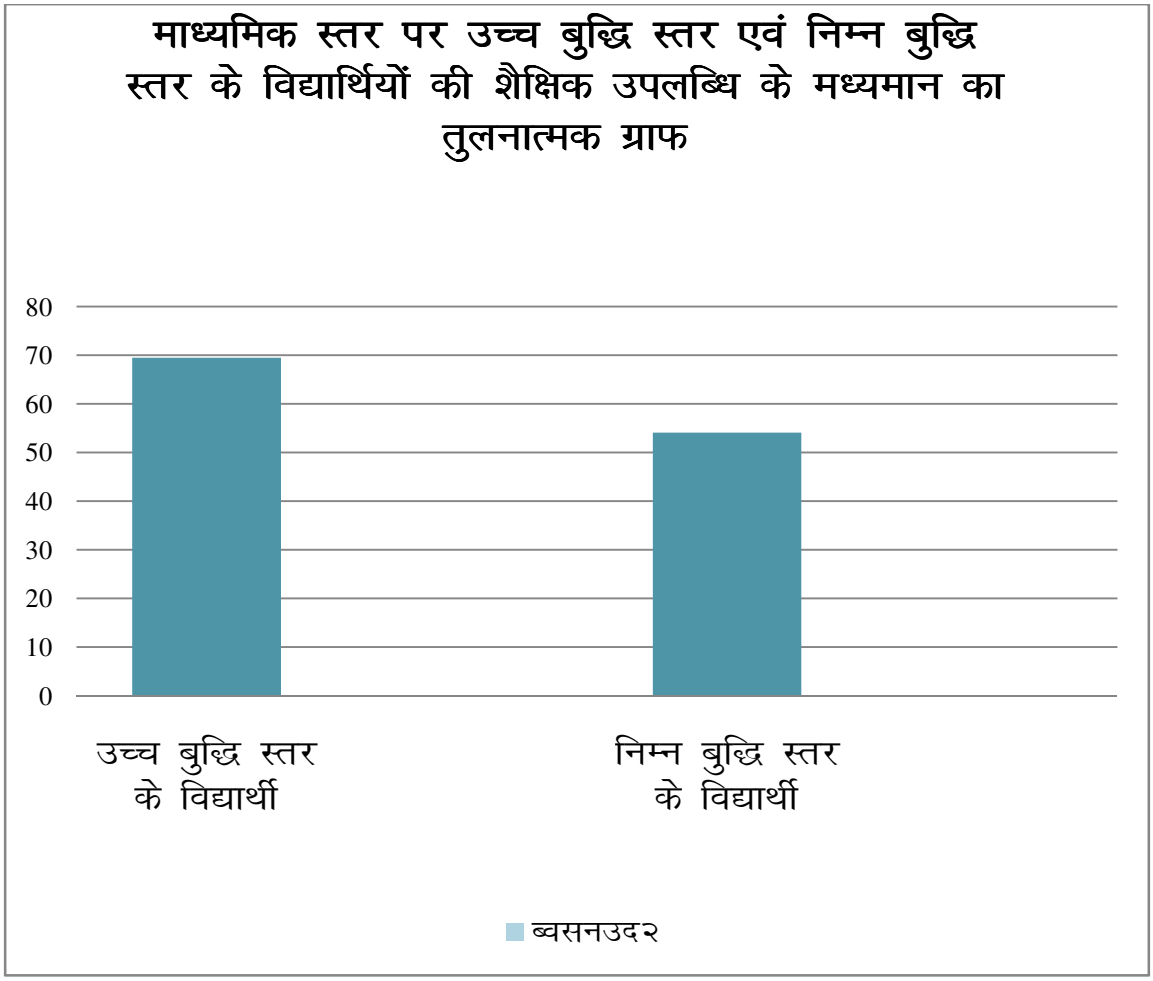

निष्कर्ष एवं परिचर्चा – शोधार्थी ने शोध अध्ययन उद्देश्य ''माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना'' के लिए शोध परिकल्पना ''माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि एवं निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की

शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर नही है।'' बनायी जिसके विश्लेषण के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि – माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि से अधिक है।

शोध अध्ययन में शोधार्थी ने पाया कि माध्यमिक स्तर पर उच्च बुद्धि स्तर वाले विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक होने का कारण शायद उच्च बुद्धि स्तर के विद्यार्थियों द्वारा अपनी प्रतिकूल परिस्थितियों को अच्छी तरह से समझना, उनके साथ सामजस्य बठाना और अपने संवेगों पर नियन्त्रण रखना है जो उनकी बुद्धि के कारण सम्भव हो पाता है जिससे वे अपने विपरीत विद्यालयगत वातावरण में भी अपना ध्यान अध्ययन में ही लगाये रखते हैं तथा अधिक शैक्षिक उपलब्धि को प्राप्त करते हैं। जबकि दूसरी ओर निम्न बुद्धि स्तर के विद्यार्थीं कम बुद्धि स्तर के कारण अपनी प्रतिकूल परिस्थितियों को समझ नहीं पाते हैं और उनकी समझ में नहीं आता है कि उन्हें कैसे और किस प्रकार से अध्ययन करना चाहिए, जिससे वे कम शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। अर्थात जिस व्यक्ति का बुद्धि स्तर जितना अच्छा होता है वह व्यक्ति उतनी ही आधिक शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करेगा तथा जिस व्यक्ति का बुद्धि स्तर जितना कम होता है वह व्यक्ति उतनी ही कम शैक्षिक उपलब्धि प्राप्त करेगा। इसलिए विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को बढाने के लिए उनके उच्च बुद्धि स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

सन्दर्भ सूची –

0 कुप्पूस्वामी, बी० (१९७६) बाल व्यवहार और विकास, नई दिल्लीः विकास पब्लिशिंग हाउस प्रा०लि०।

1 सिंह, सतीश कुमार (२०१७), बाल्यावस्था एवं उसका विकास, नई दिल्ली, ए०पी०एच० पब्लिकेशन्स।

2 तिवारी, प्रदीप कुमार एवं डा० सिंह सतीश कुमार (२०१७), इन्टरनैशनल जनरल ऑफ एडवांस रिसर्च एण्ड डबलपमेंट

3 श्रीनिवास, सन्दीप कुमार एवं डा० कुमार अरूण (२०१६), इन्डियन स्ट्रीमंस् रिसर्च जनरलस्

4 सिंह, ए०के० (१९९८), शिक्षा मनोविज्ञान, पटना : भारती भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स।